केंद्रीय विद्यालय संगठन

अभ्यास प्रश्नपत्र

2020-21

कक्षा- बारहवीं

समय - 3 घंटे विषय - हिंदी (केंद्रिक) पूर्णांक - 80

नोट - इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड है। खण्ड 'अ' बहुविकल्पीय प्रश्न एवं खण्ड 'ब' विवरणात्मक प्रश्न । दोनों खण्डों के अंक 40-40 हैं । प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है ।

खण्ड- 'अ'(वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांशो में से किसी एक गद्यांश के दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - 1x10=10

(अ) संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक ऐसा देश है जिसमें शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं किंतु अंग्रेजी में उसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है, जिसके घर में अपनी भाषा के पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। भारत में स्थिति दूसरी है । यहाँ प्रायः साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं, किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरावस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, किंतु वह सुदशा नहीं, दुरावस्था ही है और जब तक यह कायम है, हमें अपने आप को शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का न्याय संगत अधिकार नहीं है।

इस दुरावस्था का भयानक दुष्परिणाम यह है कि भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर उन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती, जो विश्वविद्यालयों के प्राय:सर्वोत्तम छात्र थे और अब शासन तंत्र में ऊँचे पदों पर काम कर रहे हैं। इस दृष्टि से भारतीय भाषाओं के लेखक केवल यूरोपीय लेखकों से ही नहीं बल्कि मिस्र, बर्मा, इंडोनेशिया, चीन और जापान के लेखकों से भी हीन है। क्योंकि इन देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ के शिक्षित लोग भी पढ़ते हैं। हमारे यहाँ इन पुस्तकों पर तथाकथित शिक्षित समुदाय की दृष्टि प्राय: नहीं पड़ती। ये लोग अंग्रेजी में ही पढ़ना पसंद करते हैं। यहाँ तक कि उनकी कविता और उपन्यास पढ़ने की तृष्णा भी अंग्रेजी रचनाओं से बुझ जाती है और उसे यह जानने की इच्छा ही नहीं होती कि शरीर से वह जिस समाज का सदस्य है, उसके मनोभाव उपन्यास व काव्य में किस प्रकार व्यक्त हो रहे हैं।

**(क)** संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की पहली पहचान किससे होती है ?

(1) उसकी भाषा में दक्षता से (3) उसकी अंग्रेजी में दक्षता से

(3) उसकी मातृभाषा में दक्षता से (4) उसकी शिक्षा में दक्षता से

(ख) जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं किंतु अंग्रेजी में उसकी दक्षता असंदिग्ध हो ऐसा किस देश में समझा जाता है ?

(1) भारत देश में (3) जापान में

(2) चीन में (4) बर्मा में

(ग) भारत के लोग किस तरह की रचनाएँ पढ़ना पसंद करते हैं ?

(1) हिंदी की (3) अंग्रेजी की

(2) सभी भाषाओं की (4) मातृभाषा की

(घ) लेखक उपर्युक्त गद्यांश से भारतवासियों को क्या संदेश देना चाहते हैं ?

(1) भारत देश में विदेशी पुस्तकें बंद कर देना चाहिए

(2) भारत के लोगों के मातृभाषा की रचनाओं को पढ़ना चाहिए

(3) विदेशी भाषाओ के मोह को त्याग देना चाहिए

(4) शिक्षा में अंग्रेजी को अनिवार्य कर देना चाहिए

(ङ) भारत में सुसंस्कृत व्यक्ति किसे समझा जाता है ?

(1) शिक्षित लोगों को (3) मातृभाषा की पुस्तकों का संग्रह करने वालों को

(2) अंग्रेजी की पुस्तकें पढने वालों को (4) जिनके घर आधुनिक साज-सज्जा के सामान हो

(च) संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति की पहचान है -

(1) शिक्षित लोग (3) मातृभाषा की पुस्तकों का संग्रह करने वाले

(2) अंग्रेजी की पुस्तकें पढने वाले (4) जिनके घर आधुनिक साज-सज्जा के सामान हो

(छ) हमें कब तकअपने आप को शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का न्याय संगत अधिकार नहीं है ?

(1) जब तक हम मातृभाषा के प्रति अपनत्व नहीं दिखाते।

(2) भारत के लोग साज सज्जा का सामान नहीं रखते।

(3) विदेशी भाषाओ के प्रति अपनत्व नहीं दिखाते।

(4) शिक्षा में अंग्रेजी को अनिवार्य नहीं कर देते।

(ज) “अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती ।“ यह किस देश के लोगों के लिए कहा गया है ?

(1) भारत देश के लोगों के लिए (3) जापान के लोगों के लिए

(2) सभी देश के लोगों के लिए (4) किसी देश के लिए नहीं

(झ) भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर किन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती ? और अब शासन तंत्र में ऊँचे पदों पर काम कर रहे हैं ।

(1) जो विदेशों में रहते थे (3) जो महान लेखक थे

(2) जो विश्वविद्यालयों के प्राय:सर्वोत्तम छात्र थे (4) जो मातृभाषा का सम्मान करते थे

(ञ) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है -

(1) हमारी मातृभाषा - हमारी शान (3) शिक्षा का महत्त्व

(2) विदेशी भाषा का ज्ञान (4) शिक्षा प्रणाली

**अथवा**

“हमारे यहाँ अनेक आंदोलन होते हैं जिनमें व्यक्ति, फिल्म, वस्तु, समाज या भाषा के बहिष्कार का आह्वान होता है। उनकी सबसे बड़ी कमी यही होती है कि वह हिंसा से ओतप्रोत होकर जनसमर्थन से दूर हो जाते हैं। ऐसे आंदोलन करने वाले अपने बहिष्कार के साथ दूसरे पर दबाव डालने लगते हैं। तय बात है कि हिंसा होती है। इस कारण सैद्धांतिक रूप से सहमत होने वाले भी दूर हो जाते हैं और उससे विरोधियों को भी अवसर मिल जाता है। तब यह बात दब जाती है कि कितने लोगों ने बहिष्कार किया बल्कि कितने लोगों ने नहीं किया यह सिद्ध कर आंदोलन की हवा निकाल दी जाती है।

सच तो यह है कि इस देश में जो हिंसक आंदोलन चल रहे हैं उनकी सफलता इसलिये संदिग्ध रही है क्योंकि वह हिंसक हो उठते हैं-दूसरे शब्दों में कहें तो येनकेन प्रकरेण उनके विरोधी ही उनका लाभ उठाते हैं। भारत का जनमानस कभी हिंसा का साथ नहीं देता, यही कारण है कि इस देश पर विदेशी काबिज हो गये क्योंकि देश के शिखर पुरुष आपस में हिंसा करते थे और जनता का समर्थन कम हो गया होगा।
अंतिम बात यह कि हिंसा चाहे तलवार से हो या वाणी से दोनों ही स्वयं के लिये खतरनाक हैं। किसी के लिये अभद्र और आक्रामक शब्द लिख कर हम यह सोचकर भले ही प्रसन्न हों कि हमने अपनी भड़ास निकाल ली, पर अंततोगत्वा वह अपने लिये ही खतरनाक है। तब आपके अपने भी यह सोचकर डर जाते हैं कि ऐसे ही शब्दों का प्रयोग कहीं उनके विरुद्ध भी न करने लगें। हिटलर पराजित हुआ, उसने आत्महत्या की क्योंकि वह हिंसा में लीन था, जबकि गांधीजी ने अपना जीवन सहजता से व्यतीत किया क्योंकि उनको अपने प्रति कहीं भी हिंसा का भय नहीं था। नाथूराम गोडसे उनके शरीर को नष्ट कर सका, पर उनके व्यक्तित्व को नहीं जो हमेशा ही सूरज की तरह चमकता रहने वाला था। भले ही कुछ लोग इस बात को न माने पर सच यह है कि उनकी अहिंसा की राजनीति आज के समाज के लिये उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी उस समय थी। गांधीजी को संत कहा जाता है पर इसका अर्थ कतई नहीं है कि उनमें राजनीतिक चतुराई का अभाव था और उनके द्वारा चलाया गया अहिंसक आंदोलन इसी का ही प्रमाण है।"

(I) हिंसक आंदोलन को जनसमर्थन प्राप्त नहीं हो पाता है। क्योंकि-

(अ) हिंसा से ओतप्रोत होते हैं । (आ) हिंसा से दूर होते हैं ।

(इ) अहिंसा का सहारा लेते हैं। (ई) लोग समर्थन देना नहीं चाहते हैं ।

(II) अक्सर आंदोलन हिंसक हो जाते हैं, क्योंकि-

(अ) आंदोलन करने वाले हिंसक होते हैं ।

(आ) आंदोलन करने वाले अपने बहिष्कार के साथ दूसरे पर दबाव डालने लगते हैं।

(इ) आंदोलन करने वाले लोगों से सहयोग नहीं लेते हैं ।

(ई) आंदोलन करने वाले लोगों का विरोध होता है ।

(III) देश के शिखर पुरुषों के आपस में हिंसा करने से क्या परिणाम निकला?

(अ) जन समर्थन बढ़ गया।

(आ) जन समर्थन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

(इ) जनता बेखबर थी।

(ई) जन समर्थन कम हो गया ।

(IV) लेखक ने वाणी की हिंसा को भी खतरनाक माना है क्योंकि-

(अ) इससे अपने लोग डर जाते हैं।

(आ) इससे अपने लोगों का समर्थन मिलता है।

(इ) इससे अपने लोग साहस के साथ आगे आते हैं।

(ई) इससे किसी को कोई हासिल नहीं आता।

(V) नाथूराम गोडसे किसके व्यक्तित्व को नष्ट नहीं कर पाया ?

(अ) जनता के (आ) सरकार (इ) हिटलर के (ई) गाँधी जी के

(VI) अहिंसा की राजनीति आज भी प्रासंगिक है क्योंकि -

(अ) इसमें राजनीतिक चतुराई है। (आ) इसमें हिंसा का भय नहीं रहता है।

(इ) इसमें अहिंसा का भय रहता है (ई) इसमें गांधीजी का प्रभाव है।

(VII) भारत में विदेशी के काबिज होने का कारण था-

(अ) शिखर पुरुषों के आपस में हिंसा करना (आ) शिखर पुरुषों के आपसी सहयोग

(इ) शिखर पुरुषों का अहिंसक होना। (ई) शिखर पुरुषों का विचार न मिलना।

(VIII) गद्यांश का उचित शीर्षक है-

(अ) हिंसा और अहिंसा (आ) हिंसा और जनसमर्थन

(इ) अहिंसा परमो धर्मः (ई) हिंसा की राजनीति

(IX) 'अभद्रऔर आक्रामक' शब्दों का प्रयोग किया जाता है-

(अ) हिंसक भाषा के रुप में (आ) वाणी की भड़ास के रुप में

(इ) राजनीति के रुप में (ई) सभ्य मनुष्य के रुप में

(X) 'हिटलर' पराजीत हुआ क्योंकि-

(अ) वह वीर था (आ) वह बहादुर था।

(इ) वह अहिंसक था (ई) वह हिंसक था

**2. निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5**

**(अ)**

'नीलांबर परिधान हरित तट पर सुंदर है ,
सूर्य - चंद्र, युग - मुकुट मेखला रत्नाकर है,
नदियां प्रेम -प्रवाह, फूल तारे मण्डल हैं,
बंदी जन खग - वृंद शेषफन सिंहासन है,
कराते अभिषेक पयोद हैं , बलिहारी इस वेश की,
हे मातृभूमि ! तू सत्य ही सगुण मूर्ति सर्वेश की,
जिसकी रज में लोट - लोटकर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक - सरककर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले - कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में ,
हे मातृभूमि ! तुमको निरख, मग्न क्यों न हों मोद में|'

(क) प्रस्तुत काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-

(अ) मातृभूमि (आ) नीलांबर

(इ) सर्वेश (ई) परमहंस सम

(ख) प्रस्तुत काव्यान्श में 'हरित - पट' किसे कहा गया है ?

(अ) धरती की हरियाली को (इ) आसमान को

(आ) हरे वस्त्र को (ई) समुद्र को

(ग) कवि अपने देश भारत पर क्यों बलिहारी जाता है ?

(अ) अनुपम रूप सौंदर्य के कारण (इ) नदियों के कारण

(आ) बादल के कारण (ई) सुंदर धरती के कारण

(घ) 'धूल भरे हीरे' किसे कहा गया है?

(अ) राम कृष्णपरमहंस को (इ) भारत के बच्चों को

(आ)सभी नागरिकों को (ई) भारत देश को

(ड) कविता में किसे देखकर प्रसन्न होने की बात की गई है?

(अ) बादल को (आ) नदियों को

(इ) ईश्वर को (ई) मातृभूमि को

**अथवा**

(आ) आज सारे दिन बाहर घूमता रहा
और कोई दुर्घटना नहीँ हुई
आज सारे दिन लोगोँ से मिलता रहा
और कहीँ अपमानित नही हुआ
आज सारे दिन सच बोलता रहा
और किसी ने बुरा न माना
आज सबका यकीन किया
और कहीँ धोखा नहीँ खाया
और सबसे बडा चमत्कार तो यह
कि घर लौटकर मैँने किसी और को नहीँ
अपने को ही घर लौटा हुआ पाया |

I. कवि ने चर्चित दिन को विशेष कहा गया है क्योंकि-

अ आज कवि के साथ कोई दुर्घटना नहीं हुई आ आज कवि सारे दिन लोगों से मिलता रहा

इ आज कवि लोगों से नहीं मिला ई आज कवि के साथ दुर्घटना होते-होते रह

II. लोग बुरा मान जाते हैं क्योंकि-

(अ) हम उनकी अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाते हैं (इ) हम उनकी सेवा नहीं करते

(आ) हम स्वार्थी हो जाते हैं (ई)हम अपने को सुरक्षित रखना पसंद करते हैं

III. आज दिन भर कवि ने क्या नहीं किया ?

(अ) सबका यकीन (इ) सच बोलना

(आ) सबसे मिलना (ई) अपेक्षाओं को पूरा

IV. इस कविता का संदेश है -

(अ) समाज की छवि हमेशा नकारात्मक होती है ।

(आ) समाज की जो छवि बनाई जाती है वही सच नहीं होती।

(इ) समाज की छवि हमेशा सकारात्मक होती है।

(ई) समाज की बनाइ छवि हमेशा सच होती है।

V. चर्चित दिन से आशय है -

(अ) सामान्य दिन (इ) विशेष दिन

(आ) इनमें से कोई नहीं (ई) अ और इ दोनों

**3. 'अभिव्यक्ति और माध्यम' पाठ्य पुस्तक के निम्नलिखित गद्य पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5**

(क) समाचार पत्र की आवाज माना जाता है -

(1) डेस्क (2) समाचार (3) पेज थ्री (4) सम्पादकीय

(ख)'फ्रीलांसर पत्रकार" होते हैं

(1) स्थायी (2) अस्थाई (3) स्वतंत्र (4) अंशकालिक

(ग) 'स्पष्टता' महत्त्वपूर्ण बैसाखी है-

(1) पाठक की (2) पत्रकार की (3) संपादक की (4) तीनों की

(घ). 'वाचडाग पत्रकारिता'का कार्य हैं -

(1) सरकार के कामकाज की निगरानी करना । (2) गहराई से तथ्यों की छानबीन करना

(3) किसी घटना के तह में जाना (4) 1,2 तथा 3 तीनों कार्य

(ड}. पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' है -

(1) संवाददाताओं के बीच काम का बँटवारा (2) समाचारों का संपादन करना

(3) विशेष लेखन की शैली (4) संपादन कार्य

**4.पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' की निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए-** 1x5=5

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

(क) कवि के अनुसार कविता और चिड़िया में समानता है-

(अ) दोनों के पंख होते हैं (इ) उड़ान

(आ) अ और इ दोनों (ई) कोई नहीं

(ख) चिड़िया क्या नहीं जानती ?

(अ) उड़ान की सीमा (इ) उड़ान की दिशा

(आ) पंख के बिना उड़ना (ई) कविता की उड़ान

(ग) बाहर भीतर और इस घर, उस घर से आशय है -

(अ) सभी घरों में घूमना (इ) एक सीमा में घूमना

(आ) सर्वव्यापक हो जाना (ई) बाहर- भीतर घूमना

(घ) पाठ का उचित शीर्षक है -

(अ) बात सीधी थी पर (इ) कविता और चिड़िया

(आ) कविता के बहाने (ई) कविता की उड़ान

(ड.) 'कविता के पंख' से आशय है -

(अ) कविता के उड़ान (इ) कवि की कल्पना

(आ) कविता के पंख (ई) कवि का माध्यम

**5. पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' के निम्नलिखित गद्य पंक्तियों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-** 1x5=5

दोनों ही लड़के राज-दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। अतः दोनों का भरण-पोषण दरबार से ही हो रहा था। प्रतिदिन प्रातःकाल पहलवान स्वयं ढोलक बजा-बजाकर दोनों से कसरत करवाता। दोपहर में, लेटे-लेटे दोनों को सांसारिक ज्ञान की भी शिक्षा देता-"समझे! ढोलक की आवाज पर पूरा ध्यान देना । हाँ, मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है, समझे! ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ। दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोलों को प्रणाम करना, समझे!" ऐसी ही बहुत सी बातें वह किया करता। फिर मालिक को कैसे, खुश रखा जाता है, कब कैसा व्यवहार करना चाहिए, आदि की शिक्षा वह नित्य दिया करता था। किंतु उसकी शिक्षा-दीक्षा सब किए कराए पर एक दिन पानी फिर गया। वृद्ध राजा स्वर्ग सिधार गए। नए राजकुमार ने विलायत से आते ही राज्य को अपने हाथ में ले लिया। राजासाहब के समय शिथिलता आ गई थी, जो राजकुमार के आते ही दूर हो गई। बहुत से परिवर्तन हुए। उन्हीं परिवर्तनों की चपेटाघात में पड़ा पहलवान भी। दंगल का स्थान घोड़े की रेस ने ले लिया। पहलवान तथा दोनों भावी पहलवानों का दैनिक भोजन-व्यय सुनते ही राजकुमार ने कहा-"टैरिबुल" नए मैनेजर साहब ने कहा "हौरीबुल"| पहलवान को साफ जवाब मिल गया, राजदरबार में उसकी आवश्यकता नहीं।

क. लुट्टन सिंह को अपने बेटों के भविष्य की कोई चिंता न थी। क्योंकि-

(अ) दोनों ही लड़के राज-दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे।

(आ) दोनों ही लड़के पहलवानी करते थे ।

(इ) दोनों को रोज पहलवानी की शिक्षा देते थे ।

(ई) दोनों ढ़ोल को गुरू मानते थे ।

ख. लुट्टन सिंह अपने पुत्रों को ढ़ोल के विषय में क्या नहीं बताता था ?

(अ) मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं, यही ढ़ोल है ।

(आ) ढ़ोल के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ।

(इ) दंगल से उतरकर पहले ढ़ोलों को प्रणाम करना ।

(ई) ढ़ोल की आवाज पर ध्यान नहीं देना ।

ग. लुट्टन के किए कराए पर पानी फिर गया क्योंकि-

(अ) राजदरबार से उसे निकाल दिया गया ।

(आ) उसके दोनों बेटों ने पहलवानी छोंड़ दिया ।

(इ) राजकुमार विलायत से आते ही राज्य अपने हाथों में ले लिया ।

(ई) वृद्ध राजा स्वर्ग सिधार गए ।

घ. 'मेरा गुरू कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है, समझे!' यह कथन कलाकार के रूप को मुखरित करता है -

(अ) लोककलाकार की प्रतिभा (इ) ढ़ोल से कसरत सीखना

(आ) कला के लिए गुरू जरुरी नहीं (ई) कलाकार का सम्मान

ङ. प्रस्तुत पाठ ' पहलवान की ढ़ोलक' किस व्यवस्था का प्रतीक है-

(अ) पहलवानी का शौक (इ) भारत पर इंडिया का छा जाने

(आ) वृद्ध राजा की मृत्यु (ई) राजकुमार का विलायत से लौटना

**6. पाठ्य पुस्तक 'वितान भाग-2' के निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-** 1x10=10

1. सिल्वर वैड़िंग" कहानी का मुख्य उद्देश्य है -

क) हाशिए पर धकेले जाते मानव मूल्य ग) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

ख) पीढ़ी का अंतराल की समस्या घ) आधुनिकता की ओर बढ़ता समाज

2. सिल्वर वैड़िंग" कहानी के निम्नलिखित अंश में 'चूनेदानी' किसे कहा गया है -

"बड़े बाऊ, आपकी अपनी चूनेदानी का क्या हाल है?"

क) घड़ी को ग) मोहरी वाली पतलून को

ख) पर्श को घ) सायकल को

3. "जूझ" शब्द का शाब्दिक अर्थ है -

क) परिश्रम ग) साहस

ख) संघर्ष घ) द्वंद्व

4. "जूझ" कहानी में समाज के किस वर्ग की समस्या का चित्रण किया गया है?

क) उच्च वर्ग की ग) निम्नवर्गीय ग्रामीण समाज

ख) मध्यम वर्गीय ग्रामीण समाज घ) निम्नमध्यमवर्गीय ग्रामीण समाज

5. "जूझ" कहानी में पिता को मनाने के लिए आनंदा किसकी सहायता लेता है ?

क) मंत्री अध्यापक ग) दताजी राव देसाई

ख) वसंत पाटील घ) न.वा. सौंदलगेकर

6. "सिंधु-सभ्यता साधन-सम्पन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था ।" - इनमें से कौन -सा कथन के तर्क में सही नहीं है-

क) वहाँ के अन्न भण्डारण की व्यवस्था ग) जल निकासी की उत्तम व्यवस्था

ख) धातु व पत्थर की मूर्तियाँ घ) ऊँचे-ऊँचे राज-प्रासाद

7. "सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।" निम्न में से कौन सा कथ्य पंक्ति को सही सिद्ध करते हैं-

क) जो अवशेष प्राप्त हुए हैं , उनमें औजार तो हैं पर हथियार नहीं ।

ख) जो अवशेष प्राप्त हुए हैं उनमें औजार तो हैं पर हथियार भी हैं ।

ग) जो अवशेष प्राप्त हुए हैं उनमें औजार और हथियार नहीं हैं ।

घ) जो अवशेष प्राप्त हुए हैं उनमें औजार नहीं हैं पर हथियार हैं ।

8. निम्न लिखित में से सिंधु- सभ्यता से प्राप्त अवशेष नहीं हैं -

क) ताँबे और काँसे के बर्तन ग) विशाल मृद्भांड

ख) मिट्टी की बैलगाड़ी घ) युद्द के सामान

9. "ऐन फ्रेंक की डायरी" सन 1947 में सर्वप्रथम किस भाषा में प्रकाशित हुई ?

क) जर्मन ग) अंग्रेजी

ख) डच घ) यहुदी

10. "डायरी के पन्ने" पाठ में ऐन फ्रेंक ने किसे संबोधित करते हुए अपनी डायरी लिखी है ?

क) किट्टी नामक अपनी सहेली को ग) किट्टी नामक अपनी दीदी को

ख) किट्टी नामक गुड़िया को घ) अपने गुप्त आवास के मित्रों को

## खण्ड - ख ( वर्णनात्मक प्रश्न)

**7.निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए - 5**

(क) कोविड 19 और विद्यालय का खुलना

(ख) विज्ञापन होर्डिंग

(ग) हर रात चांदनी रात होती तो

**8.** नगरों में दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति चिंता प्रकट करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए | **5**

**अथवा**

भाँति-भाँति के अंधविश्वास और भ्रांतियाँ फैलाने तथा समाज में अपसंस्कृति फैलाने में कुछ टी.वी.चैनलों के इस्तेमाल पर हस्तक्षेप आवश्यक है| ऐसे कार्यक्रमों को रुकवाने के दिशा-निर्देश जारी करने के लिए भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्री को पत्र लिखिए|

**9. (क)** नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से कैसे अलग होता है ? 3

**अथवा**

कविता की क्या विशेषताएँ होती हैं ?

(ख) कविता रचना किस स्थिति में संभव नहीं है?

**अथवा**

**कहानी लेखन में संवाद की क्या भूमिका है?**

**10**

क. 'उल्टा पिरामिड शैली' से आप क्या समझते हैं? 3

अथवा

'फीचर' की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख ) आलेख से आप क्या समझते हैं? 2

अथवा

फ़ीचर और समाचार में क्या अंतर है?

**11. पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' के काव्य खण्ड के निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3+3**

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में संचार माध्यमों की संवेदनहीनता को उजागर किया गया है।कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है - और पाठ के शीर्षक सहर्ष स्वीकारा है में आप कैसे अंतर्विरोध पाते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं ? 'उषा' कविता के आधार पर बताइए ।

**12. पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' के गद्य पाठ के निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2+2**

(क) कवि तुलसीदास के अनुसार , पेट की आग कौन बुझा सकता है ? यह आग कैसी है ?

(ख) 'नर गति भगत कृपाल देखाई' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'दिन जल्दी-जल्दी ढ़लता है' - की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ?

**13. पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' के गद्य पाठ के निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3+3**

(क)"भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं " लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर बताइए|

(ख) जाति प्रथा को श्रम -विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे लेखक के क्या तर्क हैं? श्रम विभाजन और जाति - प्रथा पाठ के आधार पर बताइए|

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ की 'इंदरसेना' युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है। तर्क सहित उत्तर दीजिए।

**14. पाठ्य पुस्तक 'आरोह भाग-2' के गद्य पाठ के निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2+2**

(क) नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफिया के मन में क्या द्वंद्व था ?

(ख) गाँव में महामारी फ़ैलाने और बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा?

(ग) 'मन खाली होने' तथा 'मन बंद होने' में क्या अंतर है ?